मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT–044

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.एस.एच.एस.टी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2024
एम.टी.टी.-044 : अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : सिंधी-हिंदी-सिंधी का संदर्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **1** से **8** तक के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में और प्रश्न संख्या **9** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. 'अनुवाद की प्रविधियाँ' से आप क्या समझते हैं ? अनुवाद की प्रविधियों के बारे में विभिन्न विद्वानों के मतों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए। 20

2. 'अनुवादक के दायित्व' विषय पर निबंध लिखिए। 20

3. 'रूपांतरण' क्या है ? प्रस्तुति के संदर्भ में रूपांतरण के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए। 20

4. सारानुवाद का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए सारानुवाद की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। 20

5. 'वॉयस ओवर' और 'डबिंग' का अर्थ स्पष्ट कीजिए और इनमें व्याप्त अंतर के आयामों पर प्रकाश डालिए। 20

6. मशीनी अनुवाद की विभिन्न चुनौतियों का विवेचन कीजिए। 20

7. सिंधी की पारिभाषिक शब्दावली के संदर्भ में कतिपय उदाहरण देते हुए पारिभाषिक शब्दावली के विभिन्न अभिलक्षणों की चर्चा कीजिए। 20

8. बीसवीं शताब्दी से स्वतंत्रता-पर्यंत सिंधी कोश-साहित्य के विकास और महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **350** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

   (क) अनुवाद प्रक्रिया का 'विश्लेषण संबंधी चरण'

   (ख) सबटाइटलिंग का महत्व

   (ग) इंटरनेट और मशीनी अनुवाद

   (घ) कोश-प्रविष्टि क्रम निर्धारण और देवनागरी-सिंधी लिपि की वर्णमाला

× × × × × × ×